University in News on 03 January 2021

University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

NBT PAGE 7

एलयू से चार जिलों के कॉलेजों को जोड़ने के लिए बनी टास्क फोर्स

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय से चार जिलों के 361 कॉलेजों के संबद्ध होने से विश्वविद्यालय में हलचल तेज हो गई है। चार जिलों में निरीक्षण कर वहां की कार्ययोजना तैयार करने के लिए एलयू प्रशासन ने टास्क फोर्स का गठन किया है। इसकी चेयरमैन एजुकेशन डिपार्टमेंट की प्रो. अमिता वाजपेई हैं। साथ ही टीम में प्रो. राजीव पांडेय और प्रो. आरपी सिंह को सदस्य के तौर पर रखा गया है। टास्क फोर्स को तीन महीने के अंदर अपनी रिपोर्ट एलयू प्रशासन को सौंपनी होगी। हालांकि, कार्ययोजना तैयार होने के वाद प्रशासनिक वैठक कर वहां नए कोर्सेज शुरू करने पर फैसला लिया जाएगा।

हर जिले में गठित होगी वर्क फोर्सः एलयू के प्रशासनिक अधिकारियों के मुताविक, टास्क फोर्स के अंतर्गत हर जिले में एक वर्क फोर्स का भी गठन किया जाएगा। इसमें एलयू के ही तीन अनुभवी प्रफेसर काम करेंगे। वर्क फोर्स जिले के लोकल टॉप रैंकिंग कॉलेजों के प्राचार्यों, एमपी, एमएलए, सभासदों और अन्य सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों से समन्वय स्थापित करेगी। इससे जिलों में किस पाठ्यक्रम की डिमांड है, मालूम हो सकेगा। इसके वाद एलयू प्रशासन इन कॉलेजों के लिए आगे का रोडमैप तैयार करेगा।

तीन महीने में तैयार करनी होगी कार्ययोजना

JAGRAN CITY PAGE II

लविवि कुलपति ने देखी हैप्पी थिंकिंग लैब

जासं, लखनऊः लविवि में हैप्पी थिंकिंग लैब के नाम से नवस्थापित खुशहाली की प्रयोगशाला का कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शनिवार को निरीक्षण किया।

मनोविज्ञान विभाग में शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में स्थापित प्रयोगशाला का 25 नवंबर को राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने शुरुआत की थी। प्रयोगशाला में बायोवेल, बायोफीड बैक जैसे आधुनिक यंत्र रखे गए हैं। इनके माध्यम से व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकती है। कुलपति ने बताया कि इसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य योग और ध्यान के द्वारा लोगों में व्याप्त चिंता, प्रतिबल, क्रोध जैसे नकारात्मक लक्षणों को दूर करके उनके जीवन में खुशहाली लाना है।

HINDUSTAN PAGE 8

लविवि में दर्शनशास्त्र के अधिवेशन का आयोजन

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

एलयू के दर्शनशास्त्र विभाग एवं भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद् की ओर से लुडविग विटगेन्स्टाइन फिलॉसाफिकल सोसाइटी के दो दिवसीय अधिवेशन का आयोजन किया गया।

पांचवें अन्तरराष्ट्रीय अधिवेशन के पहले दिन कार्यक्रम का शुभारम्भ डॉ. ऋचा आर्या की सरस्वती वन्दना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अधिवेशन के सोवीनियर का विमोचन किया गया। इसमें कार्यक्रम संयोजक दर्शनशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. केसी पाण्डेय, निलाम्बर - पिताम्बर विवि के प्रो. वाइस चान्सलर प्रो. डीएन यादव, आईसीपीआर के चेयरमैन प्रो.आरसी सिन्हा समेत अन्य मौजूद रहे। अन्य विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं शोधार्थियों ने शोधपत्र प्रस्तुत किए। डॉ उदय प्रताप सिंह की पुस्तक योगसूत्र एवं हठयोग की मौलिक अवधारणाएं का विमोचन भी हुआ।

एलयू ने टास्क फोर्स का गठन किया

लखनऊ। एलयू ने शनिवार को टास्क फोर्स का गठन किया है। विश्वविद्यालय से जुड़ रहे चारजिलों के 361 कॉलेजों को लेकर यह टास्क फोर्स बनी है। चेयरमैन एजुकेशन डिपार्टमेंट की प्रो. अमिता बाजपेई है। टीम में प्रो. राजीव पांडेय मैथ्स डिपार्टमेंट के और अंग्रेजी विभाग के प्रो. आरपी सिंह को सदस्य के तौर पर रखा गया है। ये टीम जिलों में निरीक्षण कर वहां की कार्ययोजना तैयार करेगी। वहां किस तरह के नए कोर्सेस शुरु होने चाहिए इस पर फैसला लेगी।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

लविवि कुलपति ने किया हैप्पी थिंकिंग लैब का दौरा

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा मनोविज्ञान विभाग में शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में नवस्थापित हैप्पी थिंकिंग लेवोरेटरी का दौरा किया गया। हैप्पी थिंकिंग लेवोरेटरी का उद्घाटन उत्तर प्रदेश की ज्यपाल आनंदीवेन पटेल द्वारा 25 नवंवर 2020 को किया गया था।

हैप्पी थिंकिंग लेवोरेटरी में वायोवेल, वायोफीडवैक और कराडा स्कैन जैसे आधुनिक यंत्र रखे गए हैं। इन यंत्रों द्वारा व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्थिति के वारे में जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इन यंत्रों का परीक्षण कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा किया गया और उन्होंने मनोविज्ञान विभाग द्वारा किए गए इस कार्य की सराहना की। लेवोरेटरी की स्थापना का मुख्य उद्देश्य योग और ध्यान के द्वारा लोगों में व्याप्त चिंता, प्रतिवल, क्रोध आदि जैसे नकारात्मक लक्षणों को दूर करके उनके जीवन में खुशहाली लाना है। इस दौरान लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर दिनेश कुमार, मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. मधुरिमा प्रधान, डा. अर्चना शुक्ला, डा. मानिनी श्रीवास्तव, डा. ललित सिंह, डा. मेघा सिंह, पीएचडी और एमए के छात्र मौजूद रहे।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 6

लविवि : सप्ताह में दो दिन ही चलेंगी सामान्य कक्षाएं

लखनऊ। लविवि फिलहाल सप्ताह में दो दिन सामान्य क्लास के फार्मूले पर ही चलेगा। बाकी दिन ऑनलाइन क्लास होगी। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि समीक्षा के बाद पहले से चल रही प्रक्रिया में किसी प्रकार का बदलाव न करने का फैसला किया गया है। लविवि ने साफ कर दिया है कि सभी परीक्षा ओएमआर पर ही होंगी। वहीं, परास्नातक स्तर पर दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को संबंधित विभाग में रिपोर्ट करने को कहा है।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

वीसी ने हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी देखी

लखनऊ। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मनोविज्ञान विभाग में शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में नवस्थापित हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी का दौरा किया। हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी का उद्घाटन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गत वर्ष की 21 नवंबर को किया गया था। हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी में बायोवेल,

बायोफीडबैक और कराडा स्कैन जैसे आधुनिक यंत्र रखे गए हैं। इन यंत्रों द्वारा व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इन यंत्रों का परीक्षण कुलपति प्रो आलोक कुमार राय द्वारा किया गया और उन्होंने मनोविज्ञान विभाग द्वारा किए गए इस कार्य की सराहना की। लेबोरेटरी की स्थापना का मुख्य उद्देश्य योग और ध्यान के द्वारा लोगों में व्याप्त चिंता, प्रतिबल, क्रोध आदि जैसे नकारात्मक लक्षणों को दूर करके उनके जीवन में खुशहाली लाना है। इस दौरान लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर प्रो. दिनेश कुमार, मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. मधुरिमा प्रधान, डॉ. अर्चना शुक्ला, डॉ. मानिनी श्रीवास्तव, डॉ. ललित सिंह, डॉ. मेघा सिंह, पीएचडी और एमए के छात्र मौजूद रहें।

TOI PAGE 2

Happy Thinking Lab to cheer LU students, help them beat the blues

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The Lucknow University students will now be able to stay happy by getting their mental and physical fitness tested in a lab and avail necessary interventions to stay calm under stressful conditions.

A mix of Indian traditional meditation system and modern science, a 'Happy Thinking Lab' was inaugurated on Saturday with LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai being the first person to avail benefits of the technology.

While the VC was found in perfect health, the facility will open for students soon.

Director of counselling and guidance cell and head of psychology department, Prof Madhurima Pradhan, said: "The lab uses three equipments—Biofeedback, BioWell and Karada scan machine—based on Russian technology to measure mental and physical wellness."

"These machines conduct physical and psycho-analysis of a person and based on the findings necessary steps can be taken for his well-being. The data will be used for research and ways will be suggested to help students improve wellness," she said.

"The machines will measure, evaluate and analyze the body and mental well-being of students by reading 'chakras' and health vitals," LU VC Prof AK Rai said.

'Chakras' are various focal points used in ancient Indian and Chinese meditation practices. In Sanskrit, 'chakra' means disk or wheel referring to energy centres in the body. Balance of 'chakras' is a must for physical and emotional well-being.

LU authorities, however, did not share information if the facility will be free for students or a fee will be charged. Any analysis of a student will be done after taking her/his consent.

THREE STEPS TO HAPPINESS

- Biofeedback machine uses electrical sensors with software that reads vital stats like heart rate, blood pressure. It also helps in relaxation
- Karada scan machine is a battery-operated body fat analyzer that helps find out visceral fat level, skeletal muscle percentage and subcutaneous fat percentage
- BioWell is a non-intrusive way to map energy fields using a camera and software. It analyses electro-photonic emissions from fingers and projects them in images

Photos: Manoj Chhabra

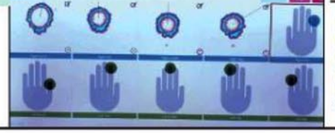

LU VC Prof AK Rai getting himself analysed at the Happy Thinking lab